

सहस्रनामस्तोत्रम्

सहस्रं श्रीरुद्रवचनं सदा प्रक्षाम ॥ ॥ वाग ॥ मन्त्रा ॥ सूर्य्यमद्य
लसाम्पद्विभुजं कमय २ नगानमकूटक ॥ विनिभावना ॥ ॥ नसा
मि २ वृद्धा किनि-विभुवनं धनी ॥ सिद्धि सिद्धि वन्दायनी मादृशदा ॥ ॥
दहिनकुलिसधनं वासय्यया २ नृपिनी देवी गगनवासिनी ॥ ॥ नत्प्रव
निवासिक उदियानपीथ्य २ श्रीविद्याधनी देवी-सूचनं वदहिता ॥ ॥
कणुप्रसादं श्रीसिद्धिवद्गुणीना २ जन्मजन्ममान् सिद्धि हलप्रसादा ॥

विष्णु श्रीश्री विष्णु हित विष्णु रुतय च मन्त्रि २ जय द्वीपानना वह मिजिन
 मानसाहन रुतयति मिलघनधानयुधे ॥ १ ॥ जातयदान मया उपदी
 यवा उपदीपय निजा रुध्मानं २ धमनवा उपदीपव उ विदि गुरुवन उभउ
 पदीपथीयधुपनस ॥ २ ॥ दिनुदलपु विद्यनन बुद्धिनया विद्य मय
 जयदलवृमिद्यान २ जवनला उ दिविमसायकं नयामेक्षिकूलनिधिन
 यिलवेदयेति ॥ ३ ॥ गुनवनक्षिबलसारुगति निराधना मन्त्र

२ निमोनादि ॥ २ ॥

समउदकपनिमरु निपूजा २ प्रधावपनिगानलि मय निपूजी कुरुवज
 लेनिमननत्वमहेतुतं ॥ ४ ॥ नाग ॥ रुववि ॥ निम नादवगुय छिदल
 हाना नूह मधगातकादि वृकनाद नूयी २ समीनयप्रतललितार्द्धगा मिनिन
 ननिनरुतापमहननाद नूपि ॥ ५ ॥ नमामिदवी श्रीवद्विनासिनी गि
 रुवरुयहनश यममजनदवी २ अदि यानपूक्ष गिनिकामनूपथी हत
 धुविधुमसुलनृययनि ॥ ६ ॥ वसुदलसना नूह वलधर्मवक्त्र

[illegible]

लिपुडिया ॥ ५ ॥ लुक्कदवीवनीनायापिपुवनवीना २ वीनंवीननाय
कसमयाजानद ॥ ॥ वीनंवीनंनद्वनसहजानद २ कलंकमलास
नहुदयानद ॥ ॥ पञ्चवृद्धपञ्चकधस्वपञ्चदवासनननपुमादि
तहुदया ॥ ॥ ३ ॥ ओहंहीखंस्वधनकनिक २ ५ मनूयधधनिविलमा
नद ॥ ॥ नागाकाहेदि ॥ यटयागिदिदं पिपुवनयापिता २ वि
प्रसालइयदपधविनासिनी ॥ ५ ॥ नमामि २ दवीनीवहलानादि २

अद्विमाद्विदायनीजगजजननी॥ ॥ पूर्वद्वयगतवक्तवर्धनरासासिनी
 दवीनीलवर्धनी॥ वायुवामादिनीदवीशिववर्धनीरपदिमसंवाविनीद
 वीरगोवर्धनीददा॥ ॥ नेत्रिपसंवासीनीदवीद्विगवर्धनीरदकिनेव
 धिकादवीधुसुवर्धनी॥ ॥ चतुर्भुजाकानतापक्षमृदाकवर्धनीरस
 खविजसंरुवनववर्धनीदिगंमवा॥ ॥ वागहेववि॥ ॐ आः हं हं हं हं
 कनखादा मकुडवावर्धनीरपूजापूजकपूजलावर्धनीरपवर्धनीललाव॥

वासवखादिश्वलिपूजल घघघारयश्विपूजवर्धनीरपक्षमृदवर्धनी
 पक्षगात्रिलेपक्षरूपनसर्ववि॥ ॥ सर्वजगत्कारुसखकपक्षपिठ॥
 आत्मादालशककाकिनीद्विपूजलवर्धनीः संवर्धितगङ्गाउव॥ ॥ दान
 पणिमर्वकार्यकत्वया सर्वसखसंपादितमन्त्रमथेवकथेवउरुथेपिबर्थजि
 पर्थमारुकमथव॥ ॥ समयलहउदानपणिलसर्वसिद्धिसंपदमन्त्रि
 वरणासंमालनथागवचनसर्वसिद्धिसंयदेवदिस॥ ॥ वागपथः

[illegible]

संज्ञादिस्तुलितानि उक्तानि ॥ ॥ अहिनि संज्ञातु नृवाचक
नोत्तराद्यदिगानंसावश्रुतावा २ उक्तानि नृवाचक नृवाचक नृवाचक नृवाचक
नृवाचक नृवाचक ॥ ॥ नाग ॥ ललित ॥ अत्र नृवाचक नृवाचक नृवाचक
नृवाचक नृवाचक विविक्त विविक्त कलम २ उक्तानि नृवाचक नृवाचक नृवाचक
नृवाचक नृवाचक नृवाचक नृवाचक नृवाचक नृवाचक नृवाचक नृवाचक
नृवाचक नृवाचक नृवाचक नृवाचक नृवाचक नृवाचक नृवाचक नृवाचक

समस्तनंदिवरुपं ॥

॥ बंरुपनमानुवयराध्रं दुसयुक्तं हां यः ॥ धिगप

अपीयुमं २ इकाभमरुपुष्य ॥ सवर्द्धं वंरुपुष्य पितविपाकेकलहं ॥

यदमत्यक्तनं संपन्नपताव आह्वयं मधुकिनी जलज नृपं २ सकिटि साध

नक्षदेवता बंधुज्ञानसत्त्वमानीय हृदवीरुकिनर्ध ॥

॥ पाद्यादिआचम

नदानपुनस्तनं समयसत्त्वप्रव्यहिन विमदक नक्षं २ महानाज्ञादविरुयदी

धिविरुपसमयसत्त्वज्ञानवर्द्धकीरुनं ॥

॥ वारा ॥ गंधारुनवि ॥

विष्णुसामान्य ॥ १८ ॥

हाउम्पारुवधविहसिनेममल्लयधुवज्जाला विनिनयनमिनिनयना
 ॥ ८ ॥ ॥ कवति यय्यनगिन्ववुडनवसिलसात ॥ कुयितरवदागचन
 मकटकं ॥ ॥ ॥ शिवसिधनकडलसुत्ता ॥ ककुनिकर्पुवतांवावस
 मसाता ॥ ॥ ॥ अनयिणवकय ऊवापुलिहामा ॥ श्रीवडुदवीपसादवी
 दन्वपाया ॥ ॥ ॥ नावा ॥ कासाद ॥ अवनिनीहितवामज्ञान् य ॥ किनस
 सालसंज्ञासा ॥ ॥ ॥ भागद ॥ भाहवधिवया ॥ ॥ पिरुवननाया ॥ अवलदीना ॥ ॥ ५

॥ नमासि श्रीवधुमहाभायना ॥ ॥ ज्ञाननृएरुयधु ॥ इता ॥ विभनांथविभया
 पितविनीविक्रममहाकाधनाया ॥ ॥ ॥ अकिलीयनादुर्दवचसाइयाक
 नायाविशुतिकिनना ॥ ॥ पिठिकजधुनावाकलनयना ॥ ॥ विविजासावायइस
 नना ॥ ॥ माधवमायापुनरुनवक्ता ॥ ॥ ॥ पिठिकादिपादजाहनक्ष ॥ ॥ समन
 समायावागविमाहाज्ञाननायासमाहित ॥ ॥ दहा ॥ ॥ ॥ वल्लारुननांष
 कलितमोली ॥ कयूनमापुनवुक्षामनकाना ॥ ॥ सुननननागादिवटिक

॥ नाग ॥ कामा ॥ ॥ ॥
 ॥ निविन घन दूति ॥
 ॥ इनिहनवु आळु दु
 ॥ विविधित नल मोली
 ॥ नाग ॥ कामा ॥ ॥ ॥

विष्णु

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५५ ॥

कलोठकवर्णमो नपित्रयि ॥ ॥ तनुक्षिमधुलमाप्पडादियानगममा २ नल
नोपुनवनधनगं प्रवेक्षिता ॥ ॥ श्रीविद्याधनोदवीधनननमहिता २ सकल
महि सिद्धिदहिममाता ॥ ० ॥ नागा ॥ ताम ॥ शिदलकमलवर्धकृष्णस
रु मधुकनदबुवलिनी २ श्रीविनूपाकृष्णगम्यदवी मदिनिमपालव्यापिता
॥ ॥ नमामि श्रीनेनात्मादवी शिरुवनमाता वयुलादवी श्रीमृगथनी २ सुय
वसुनासूनवदिनवम ॥ ॥ अनगाअद्विसिद्धिवनप्रसादा ॥ ॥ नष्टनमिव

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५६ ॥

वनचदनतनुव अनककृष्णमपालिकावतन २ निखंगंगासुमवागमतीतीर्थम
नगातीर्थमृगप्रवन ॥ ॥ अष्टरुजवअष्टयागिनिदवी अनगादवीदवा
सूनरूपपाल अष्टमहारुयदनीतनिवान ॥ ॥ अनगाविप्रनिनवानून ॥ ॥
विष्णुवियापिता नूक्षिदवी अष्टमनिनअनजागिमयं २ अहिसकसुप्ररु
लदायनीदवी रुमरुमरुपायसनध ॥ ० ॥ नागावसक ॥ जिनवनरु
ननीपतास्वननमनी २ विलासमिसमनसददालिंगना ॥ ॥ नीलेसुह

सूत्रयशंगानसंपूर्ण २ गमधालिङ्गज्ञानद्वयन ॥ वापयिसुहागम
 अन्तधिमयन २ नागविनागद्वयिमास्पनिसर्प ॥ अङ्ककुलिहसंज्ञाग
 विमखनारसूत्रननप्रमूयकजालिङ्गधाम ॥ दहिनशुवनथीयोगमन्त्र
 ना २ प्रक्षमाभिज्ञानद्वयनीजालिङ्गधाम ॥ नागधामहिनी ॥ हंयनिनक्ष
 नपनमपुत्रुः सूत्रमायसहांस्व २ रावहवियसंहावदा नानासिमयिजाव
 ॥ नउरुवनद्वयिवाधनहि २ रुमासहासहवर्द्धक्ष २ याहावयिमनरा

2855 I

ASIA ARCHIVES

२४५। प्रसूतना ॥ ६६

[illegible]

कूलाककोटकनाग २ कलंकहेनवावर्णिगमघा सनसिङ्गनाग वूटकर
का ॥ ॥ अद्गहासा संसपालनाग प्रवक्षुमघावरुमहिनुडा २ ल
श्रीयानाकनंजुवकाघ्निगमघामहापद्मा ॥ ॥ धानमममनपद्म
तिवृकाशूनतनाग पुनधमघा २ किलिकिलिलावाशूईक्षवका कलिकना
गवमधमघा ॥ ॥ हादहाहजाहादे ॥ उवनावउवम्वदनाहादम
नयवना २ रुतयिकर्धपांनायइसम्वना कालिनाशिनिप्रदापयिवदना

२५ मां गानि ॥ ६० ॥ विष

॥ ० ॥ नाग ॥ अक्षर ॥ नवि ॥ धृमा ॥ नावि ॥ बहक ॥ नावि ॥ शी ॥ सम ॥ पि ॥ न ॥
 ॥ वयन ॥ ॥ ॥ उ ॥ यिल ॥ ह ॥ ह ॥ क ॥ न ॥ क ॥ न ॥ श ॥ र ॥ ना ॥ ना ॥ वि ॥ ना ॥ ना ॥ द ॥ म ॥
 ॥ व ॥ सि ॥ पु ॥ ॥ ॥ म ॥ म ॥ य ॥ न ॥ क ॥ रु ॥ या ॥ ग ॥ म ॥ व ॥ द ॥ वा ॥ र ॥ वा ॥ रु ॥ वि ॥ वा ॥ ह ॥ व ॥ व ॥ म ॥
 ॥ ना ॥ ॥ ॥ ॥ शि ॥ क ॥ य ॥ क ॥ न ॥ क ॥ यु ॥ ग ॥ वा ॥ लि ॥ ॥ ॥ हा ॥ र ॥ पु ॥ रि ॥ क ॥ न ॥ क ॥ स ॥ मा ॥ क ॥ ल ॥ व ॥
 ॥ य ॥ न ॥ ॥ ॥ ॥ नो ॥ द ॥ म ॥ हा ॥ व ॥ लि ॥ पि ॥ रु ॥ व ॥ न ॥ ग ॥ य ॥ न ॥ र ॥ म ॥ य ॥ मा ॥ स ॥ म ॥ स ॥ न ॥ धि ॥ न ॥
 ॥ आ ॥ हा ॥ न ॥ ॥ ॥ ॥ ना ॥ ग ॥ ॥ ल ॥ लि ॥ क ॥ ॥ वि ॥ अ ॥ य ॥ वि ॥ अ ॥ य ॥ वि ॥ न ॥ य ॥ व ॥ न ॥ म ॥ य ॥ ग ॥ क ॥

लसिचद्यानिना। एकमंल २२५। यजिनविम्वृहा। लिमनयिसूनवऊकिनि
 आणाममयस्यामसयले॥ धृ०। नममरु० धायं० कालवकद्ववऊसम
 नविचनूपे० २५५। मड० ममं० या० ग० म० व० म० सहऊ० आन० द० मे० य० स० न
 नूपे० ॥ ॥ वऊ० प० य० द० ह० ग० क० क० ॥ व० द० ग० न० न० म० गी० ती० अ० शी० स० ध्या० न
 २० ग० ग० द० ॥ ख० न० म० न० वा० धि० रु० ल० दा० य० क० ॥ या० ग० ध० म० म० म० न० न० व० द० द० य० ॥
 ॥ गु० न० वा० क० द० रु० ध० नी० या० न० न० प० व० न० न० द० धि० य० म० मि० क० ल० व० द० उ० ना०

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

दिधमि२ वउवकपा० नीनमनमधनीसधरुसामीनूवाजाहुउव
ने॥ ॥स्वप्रमायाग० रावपनिगावना वूअधर्मसंघ० ननागमीये
२गुनूववधगिलगकधनीया ॥भवकिसूनगबऊ ऊन्मऊन्ममीनूवद्वहा
वध० ॥ ० ॥वागा॥मधूमक॥पमादिगदिदहाउमीसूदनीसन भनू
मसुलसस्किगलयन२वादहाउऊवउवनस ॥मिगावऊवावाहि
क००आलिपि० ॥ ॥ ॥हं॥हं॥हं॥हं॥दिहसू० न॥मालमयलसंवा

धियाल२ददालिगनऊद्वयमेरावनावायेदान श्रीसम्वनवाया॥
॥कुलिगयधगऊवर्ममिगलोकनतिकें उमपू० ॥मिगा२मऊ
पूनीककेपालयवागपाहापन० वूकगिलधना॥ ॥प००किनेवने
मकू००आलंरुग० सऊमूडा० न० विरूपि० ॥आलिकालिइयिआ
नीरवापयि व्याघ्रवर्म० निवा० मनरुप० ॥ ॥नेवगिलमाला
आल०० श्रीसम्वनादिवव० धि० नि० क० न० दया२ ऊन्मऊन्ममीनूव

२००१

इपायमनःसमवाकपत्रमादेवउगीता॥ ० ॥ वागवागवउगी॥
इविनिमन्नावनविलासिचयिमी॥ ३० ॥ रुवागमलेद्येनाया॥ ४॥
नजंकावहमलुजगानिवासिमान॥ ॥ अमिय२ निवंगनदह२
सहजसूटनीनेया॥ किनहैवपयिमी॥ ॥ १० ॥ उयागिनियेनमल२
वजवावाहिआलिगाधकीले॥ ॥ ३० ॥ रुवागकनृशकवावी२ रुय२
आलिगाधनीलवर्धनी॥ ॥ वागमशंकार॥ अतिनीलवर्धनी॥

२००१

आहवममममपृष्टिमुदह२ ॥ ३० ॥ रुवागकपीथंस्वर्नंजुलस्महानमहा
कारुबाऊ॥ ४॥ ॥ हैहैकावधालपवदुमाहकागनपविनीसव्यकमल
वामविद्वद्वितियनयजवर्म॥ ॥ विनयनविद्वद्वितियनयजवर्म॥
द्वतमिय२ रुनवकदुशकनालनकस्वाहउर्धकही॥ ॥ विद्वितियनयजवर्म॥
मवदनाजलतसमूहधंसनकवर्धनी॥ ॥ ३० ॥ रुवागकपीथंस्वर्नंजुलस्महानमहा
नमहिगं॥ ॥ रुकदानपतिलआसापूनेवांष्टिगार्थववदह२ रुनम२